नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने 38 वर्ष पूरे होने पर गुडप्रैक्टिसेज़ पुस्तक का किया विमोचन

नई दिल्ली, (वीअ)। नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने अपने 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोदी रोड स्थित चिन्मय हैमको ऑडिटोरियम में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन सामुदायिक सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में लगभग चार दशकों से किए जा रहे प्रभावशाली कार्यों का उत्सव था। वर्ष 1987 में माननीय डॉ. किरण बेदी द्वारा स्थापित नवज्योति इंडिया फाउंडेशन निरंतर समावेशी और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से सशक्त समुदायों के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध रहा है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री भरत लाल, सचिव जनरल एवं सीईओ, भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) उपस्थित रहे। उन्होंने जमीनी स्तर पर गरिमा, समानता और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में नवज्योति के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवज्योति की 'गुडप्रैक्टिसेज़' पुस्तक का विमोचन रहा, जिसे माननीय डॉ. किरण बेदी ने श्री भारत लाल की गरिमामयी उपस्थिति में 5 जनवरी 2026 को लॉन्च किया। यह पुस्तक शिक्षा, युवा सहभागिता, महिला सशक्तिकरण एवं सतत आजीविका जैसे क्षेत्रों में नवज्योति द्वारा 38 वर्षों में विकसित किए गए समुदाय-नेतृत्व वाले, दोहराए जा सकने योग्य मॉडलों का दस्तावेज़ीकरण करती है।

यह प्रकाशन विकास क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स, संस्थानों एवं नीति-निर्माताओं के लिए एक व्यवहारिक और प्रमाण-आधारित ज्ञान संसाधन के रूप में कार्य करेगा।कार्यक्रम के दौरान डेल टेक्नोलॉजीज़ (Dell Technologies) को उनके निरंतर सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। डेल की ओर से श्री प्रभात भट्टाचार्य, हेड-CSR, Dell Technologies उपस्थित रहे। इसके साथ ही नवज्योति के बाल गुरुकुल के बच्चों द्वारा एक इंटरैक्टिव टॉक शो और बवाना स्थित विवान म्यूज़िक स्कूल की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने 38 वर्ष पूरे होने पर 'गुड प्रैक्टिसेज' पुस्तक का किया विमोचन

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने अपने 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोदी रोड स्थित चिन्मय हैमको ऑडिटोरियम में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन सामुदायिक सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में लगभग चार दशकों से किए जा रहे प्रभावशाली कार्यों का उत्सव था। वर्ष 1987 में माननीय डॉ. किरण बेदी द्वारा स्थापित नवज्योति इंडिया फाउंडेशन निरंतर समावेशी और अधिकार-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से सशक्त समुदायों के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध रहा है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री भरत लाल, सचिव जनरल एवं सीईओ, भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) उपस्थित रहे। उन्होंने जमीनी स्तर पर गरिमा, समानता और मानवाधिकारों को बढ़ावा देने में नवज्योति के योगदान की सराहना की। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवज्योति की 'गुड प्रैक्टिसेज' पुस्तक का विमोचन रहा, जिसे माननीय डॉ. किरण बेदी ने श्री भारत लाल की गरिमामयी उपस्थिति में 5 जनवरी 2026 को लॉन्च किया। यह पुस्तक शिक्षा, युवा सहभागिता, महिला सशक्तिकरण एवं सतत आजीविका जैसे क्षेत्रों में नवज्योति द्वारा 38 वर्षों में विकसित किए गए समुदाय-नेतृत्व वाले, दोहराए जा सकने योग्य (replicable) मॉडलों का दस्तावेजीकरण करती है। यह प्रकाशन विकास क्षेत्र में कार्यरत प्रोफेशनल्स, संस्थानों एवं नीति-निमार्ताओं के लिए एक व्यवहारिक और प्रमाण-आधारित ज्ञान संसाधन के रूप में कार्य करेगा। कार्यक्रम के दौरान डेल टेक्नोलॉजीज (Dell Technologies) को उनके निरंतर सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। डेल की ओर से श्री प्रभात भट्टाचार्य, हेड–CSR, Dell Technologies उपस्थित रहे। अधिक जानकारी के लिए कृपया विजिट कीजिए हमारी वेबसाइट https://nvjyoti.org.in/about/

नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने 38 वर्ष पूरे होने पर

गुड प्रैक्टिसेज पुस्तक का किया विमोचन

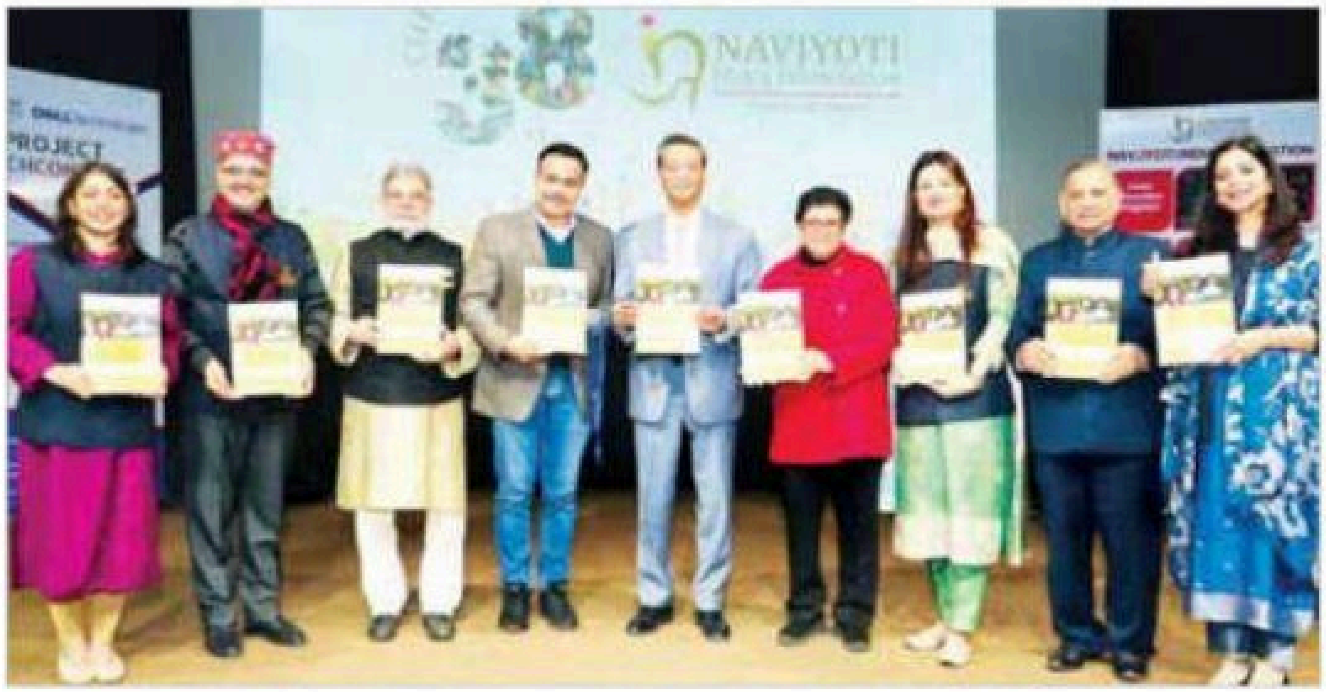

नवज्योति इंडिया फाउंडेशन ने अपने 38वें स्थापना दिवस के अवसर पर लोदी रोड स्थित चिन्मय हैमको ऑडिटोरियम में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन सामुदायिक सशक्तिकरण, शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन के क्षेत्र में लगभग चार दशकों से किए जा रहे प्रभावशाली कार्यों का उत्सव था। वर्ष 1987 में माननीय डॉ. किरण बेदी द्वारा स्थापित नवज्योति इंडिया फाउंडेशन निरंतर समावेशी और अधिकार - आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से सशक्त समुदायों के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध रहा है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीभरत लाल, सचिव जनरल एवं सीईओ, भारत का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण नवज्योति की 'गुड प्रैक्टिसेज़' पुस्तक का विमोचन रहा, जिसे माननीय डॉ. किरण बेदी ने श्री भारत लाल की गरिमामयी उपस्थिति में 5 जनवरी 2026 को लॉन्च किया। यह पुस्तक शिक्षा, युवा सहभागिता, महिला सशक्तिकरण एवं सतत आजीविका जैसे क्षेत्रों में नवज्योति द्वारा 38 वर्षों में विकसित किए गए समुदाय-नेतृत्व वाले, दोहराए जा सकने योग्य मॉडलों का दस्तावेजीकरण करती है। इस मौके पर डेल के हैड प्रभात भट्टाचार्य को भी स्मानित किया गया।